

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 18 अप्रैल, 2023

ब्लास्टोमायकोसिस

ब्लास्टोमायकोसिस एक दुर्लभ कवक संक्रमण है जो ब्लास्टोमायसेस कवक (*Blastomyces Fungus*) के कारण होता है, यह अमेरिका के मध्य-पश्चिमी, दक्षिण-मध्य एवं दक्षिण-पूर्वी राज्यों में पाया जाता है। कवक सामान्यतः नम मृदा तथा लकड़ी व सड़ी हुई पत्तियों में मौजूद होता है। यह कवक मशिगन राज्य, अमेरिका का स्थानिक है। फंगस के बीजाणु, जो साँस के साथ अंदर जाते हैं, बीमारी का कारण बनते हैं, साथ ही मृदा में असंतुलन होने पर वायु में फैल सकते हैं। ब्लास्टोमायकोसिस के लक्षणों में बुखार, खाँसी, साँस लेने में कठिनाई और मांसपेशियों में दर्द शामिल हैं। यह गंभीर संक्रमण संभावित रूप से त्वचा, हड्डियों तथा मसूतषिक जैसे अन्य अंगों में फैल रहा है, जबकि रोग के इलाज हेतुएंटीफंगल दवाएँ उपलब्ध हैं, हालाँकि दवा के इस्तेमाल लंबे समय तक करना पड़ सकता है, यह अवधि छह महीने से एक वर्ष के बीच हो सकती है।

और पढ़ें... [फंगल इन्फेक्शन - मयूकोरमिकोसिस](#)

सुंदरबन में बाघों की घटती आबादी

सुंदरबन, जो बंगाल टाइगर के कुछ शेष अभयारण्यों में से एक है और जहाँ विश्व में सबसे बड़े मैंग्रोव वन पाए जाते हैं, अब भारत के शीर्ष बाघ अभयारण्यों में शामिल नहीं है। हाल ही में जारी [प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन \(Management Effectiveness Evaluation- MEE\)](#) रिपोर्ट के अनुसार, बाघों की आबादी में वृद्धि के बावजूद वन प्रबंधन के संदर्भ में सुंदरबन को देश के 51 बाघ अभयारण्यों में 31वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। पर्याप्त जनशक्तों की कमी और जलवायु परिवर्तन तथा समुद्र स्तर में वृद्धि के कारण जलमग्नता जैसी स्थितियों को इस स्थान की सुभेद्यता के लिये प्रमुख चुनौतियों के रूप में चिह्नित किया गया है। हालाँकि अवैध शिकार और बाघ-मानव संघर्ष जैसी बड़ी समस्याओं के समाधान में सुंदरबन का प्रदर्शन अच्छा रहा है। MEE रिपोर्ट के अनुसार, 94.38% के स्कोर के साथ केरल स्थिति परियार शीर्ष स्थान पर रहा, इसके बाद 93.16% स्कोर के साथ मध्य प्रदेश का सतपुड़ा दूसरे स्थान पर रहा। MEE की रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि अवैध पर्यटन की निगरानी के लिये क्षेत्र विकास समितियों को संभागीय आयुक्तों के अधीन कार्य करना चाहिये और भारत तथा बांग्लादेश के सुंदरबन वन क्षेत्रों के बीच प्रबंधन हेतु अधिक समन्वय की आवश्यकता है। सुंदरबन, विशेष रूप से वे वन जो वर्तमान टाइगर रजिस्टर को कवर करते हैं तथा दक्षिण 24 परगना ज़िले पर जलवायु परिवर्तन से बढ़ते प्रभावों को देखते हुए संबद्ध मूल्यांकन किया जाना आवश्यक है।



//

और पढ़ें... [सुंदरबन, बाघ गणना 2022](#)

भारतीय दूरसंचार वनियामक प्राधिकरण (TRAI)

भारतीय दूरसंचार वनियामक प्राधिकरण (TRAI) ने "लो पावर स्माल रेंज FM रेडियो प्रसारण से संबंधित मुद्दों" पर एक परामर्श पत्र जारी किया है। यह **ड्राइव-इन थिएटर एप्लीकेशन** हेतु एक नए सेवा प्रदाता की शुरुआत के साथ-साथ **कम-शक्ति शॉर्ट-रेंज FM रेडियो प्रसारण से संबंधित मुद्दों पर हतिधारकों से प्रतिक्रिया और टपिपणियाँ** एकत्र करेगा। इस तरह के प्रसारण को सीमित स्थानों और स्वागत क्षेत्रों, जैसे- अस्पताल रेडियो सेवाओं, मनोरंजन पार्कों, व्यावसायिक परिसरों, बंद समुदायों, छोटे आवासों तथा स्थानीय कार्यक्रमों के लिये लक्षित सेवाओं हेतु ध्वनि प्रसारण का एक प्रभावी तरीका माना जाता है। **ट्राई टेलीकॉम सेवाओं** को नयित्तरति करता है जिसमें टेलीकॉम सेवाओं के लिये टैरिफ का निर्धारण/संशोधन शामिल है जो पहले केंद्र सरकार में नहिति थे।

और पढ़ें... [भारतीय दूरसंचार वनियामक प्राधिकरण \(TRAI\)](#)

संपीडित बायोगैस पर वैश्विक सम्मेलन (CBG)

हाल ही में **इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी (IFGE)** ने **संपीडित बायोगैस (CBG)** पर एक वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने **जैव ईंधन के घरेलू उत्पादन के महत्त्व पर प्रकाश डाला**। इसे जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने एवं अंततः **शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य** को प्राप्त करने की एक महत्त्वपूर्ण रणनीति के रूप में देखा जाता है। CBG उत्पादन कई लाभ प्रदान करता है, जिसमें प्राकृतिक गैस के आयात में कमी, **GHG उत्सर्जन, कृषि अवशेषों को जलाना, किसानों को लाभकारी आय प्रदान करना, रोजगार सृजन और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन** शामिल हैं। इसके अतिरिक्त जैविक खेती को प्रोत्साहित करने और **कृत्रिम उर्वरकों के उपयोग को कम करने के लिये कृषि क्षेत्र में CBG के उप-उत्पाद, कण्वित जैविक खाद (FOM) को लागू किया जा सकता है**। भारत ने वर्ष 2030 में **ऊर्जा मंशिरण में गैस की हसिसेदारी बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य** रखा है और CBG के तेजी से वसितार से घरेलू संसाधनों की अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने में मदद मिलेगी। **सस्टेनेबल अलटरनेटिव टुवरड्स अफोरडेबल ट्रांसपोर्टेशन (SATAT) योजना** को सम्मेलन में रेखांकित किया गया जो CBG उत्पादन के लिये फीडस्टॉक के रूप में विभिन्न अपशिष्ट स्रोतों की पड़ताल करती है। भारत का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक 5,000 वाणज्यिक CBG संयंत्र स्थापित करना और 15 MMT CBG का उत्पादन करना है। सरकार **ट्रपिल बॉटम लाइन (पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था)** के सभी कर्तताओं की स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये एक अनुकूल पारस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर केंद्रति है तथा हाल ही में घोषित **अमृत काल बजट वर्ष 2023** भारत की बायोगैस और महत्त्वपूर्ण स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को बढ़ावा देगा।

और पढ़ें... [संपीडित बायोगैस \(CBG\)](#)

